

KARNATAKA SECONDARY EDUCATION EXAMINATION BOARD

6th Cross, Malleshwaram, Bengaluru – 560003.

Multiple Choice Question Based Model Question Paper

2020 - 21

PAPER - 02

Subject : First Language Sanskrit

Code No : 16S

Time : 3 Hours

Total No. of Questions : 40 + 40 + 40 = 120

Max. Marks : 40 + 40 + 40 = 120

अधोलिखितेभ्यः प्रश्नेभ्यः चत्वारः विकल्पाः प्रदत्ताः । तेषु समीचीनम् उत्तरं क्रमाक्षरेण सह प्रदत्ते ओ एम् आर् (OMR) प्रपत्रे निगदितस्थले शेड् (Shade) करणीयम् ।

40 x 1 = 40

1. अस्माकं भारतदेशः एवं विख्यातः ।

- | | |
|-------------|---------------|
| A. तपोभूमिः | B. त्यागभूमिः |
| C. भोगभूमिः | D. देवभूमिः |

2. वृत्रासुरो नाम राक्षसः एतादृशः आसीत् ।

- | | |
|-----------|-----------|
| A. सज्जनः | B. त्यागी |
| C. क्रूरः | D. दानी |

3. वृत्रासुरस्य वधार्थम् एतादृशम् अस्त्रम् आवश्यकम् ।

- | | |
|-----------------|---------------|
| A. सुवर्णसदृशम् | B. वज्रसदृशम् |
| C. रजतसदृशम् | D. वायुसदृशम् |

4. संस्कृतम् एतस्य भाण्डारम् ।

- | | |
|---------------|---------------------|
| A. सुभाषितस्य | B. ऐश्वर्यस्य |
| C. धर्मस्य | D. ज्ञान-विज्ञानस्य |

5. आकाशकायेषु एषः आकर्षणीयः शक्तिस्वरूपः च ।

- | | |
|------------|-----------|
| A. शुक्रः | B. गुरुः |
| C. चन्द्रः | D. सूर्यः |

6. 'चन्द्रः भूमिं परितः प्रदक्षिणं करोति' इति अस्मिन् ग्रन्थे उक्तः ।

- | | |
|-------------|------------|
| A. पुराणे | B. वेदे |
| C. महाभारते | D. रामायणे |

7. एषः प्रकाशस्य वेगविषये व्याख्यानं कृतवान् ।

- | | |
|-----------------|----------------|
| A. ब्रह्मगुप्तः | B. सायणाचार्यः |
| C. शङ्कराचार्यः | D. मध्वाचार्यः |

8. राजारामः एतस्य पुत्रः आसीत् ।

- | | |
|--------------------|--------------------|
| A. शिवाजीमहाराजस्य | B. औरङ्गजेबस्य |
| C. अक्बरस्य | D. सोमशेखर नायकस्य |

9. चन्नम्मा अस्य साम्राज्यस्य राज्ञी वर्तते ।

- | | |
|----------|---------------|
| A. कदम्ब | B. होय्सळ |
| C. केळदी | D. राष्ट्रकूट |

10. 'शरणागतरक्षणं धर्मः, इति अस्माकं श्रद्धा' – इदं वाक्यं चन्नम्मा एतं प्रति उक्तवती ।

- | | |
|--------------|------------------|
| A. राजारामम् | B. महामन्त्रिणम् |
| C. सेनापतिम् | D. दूतम् |

11. सिन्धुलसंज्ञो राजा अत्र आसीत् ।

- | | |
|-----------------|-----------------|
| A. कोसलराज्ये | B. धाराराज्ये |
| C. कलिङ्गराज्ये | D. सिन्धूराज्ये |

12. इयं बल्लाळसेनस्य कृतिः वर्तते ।

- | | |
|--------------|----------------|
| A. रघुवंशम् | B. गुरुशापम् |
| C. कर्णभारम् | D. भोजप्रबन्धः |

13. एषः चन्द्रचूडः इव राजसभां समागतः ।

- | | |
|-------------|-----------|
| A. कापालिकः | B. सेवकः |
| C. विदूषकः | D. नर्तकः |

14. उपनिषदः एतावत्यः सन्ति ।

- | | |
|---------------|----------------|
| A. पञ्चाधिकाः | B. सहस्राधिकाः |
| C. दशाधिकाः | D. शताधिकाः |

15. 'विद्वान्' अस्य पदस्य अन्यलिङ्गरूपं भवति ।

- | | |
|--------------|-----------|
| A. विद्वांसः | B. विदुषी |
| C. विद्वानी | D. विदूषि |

16. एताः समुद्रे अस्तं गच्छन्ति ।

- | | |
|----------|--------------|
| A. गावः | B. सम्पत्तयः |
| C. नद्यः | D. उपनिषदः |

17. इदं सर्वम् एतेन वास्यम् ।

- | | |
|------------|-----------|
| A. वृक्षेण | B. सागरेण |
| C. ईशा | D. जलेन |

18. 'भारतमाता' एतैः पूजिता ।

- | | |
|-------------|-------------|
| A. कविभिः | B. राजराजैः |
| C. पण्डितैः | D. देवैः |

19. 'प्रकाशः' अस्य पदस्य विरुद्धार्थकपदं भवति ।

- | | |
|------------|------------|
| A. तमः | B. तेजः |
| C. कान्तिः | D. ज्योतिः |

20. भारतभूमिः अस्माभिः एवं सगौरवमाद्रियते ।

- | | |
|-----------------|-----------|
| A. जन्मभूमिरिति | B. देवेति |
| C. पितेति | D. मातेति |

21. भारतीयसंस्कृतेः आकरग्रन्थः अयम् भवति ।

- | | |
|-----------------|--------------------------|
| A. महाभारतम् | B. सुभाषितरत्नभण्डागारम् |
| C. पञ्चतन्त्रम् | D. रघुवंशम् |

22. श्रीरामः हनुमतः गुणविषये एनम् अपृच्छत् ।

- | | |
|-------------|------------------|
| A. वसिष्ठम् | B. विश्वामित्रम् |
| C. नारदम् | D. अगस्त्यम् |

23. वाल्मीकिकविः एवं विख्यातः ।

- | | |
|------------|--------------|
| A. आशुकविः | B. प्रेमकविः |
| C. आदिकविः | D. महाकविः |

24. सर्वधनप्रधानम् एतत् वर्तते ।

- | | |
|-------------|---------------|
| A. योगधनम् | B. त्यागधनम् |
| C. आपद्धनम् | D. विद्याधनम् |

25. एतेषां विभूतयः परोपकाराय भवन्ति ।

- | | |
|----------------|---------------|
| A. दुर्जनानाम् | B. सताम् |
| C. सर्वेषाम् | D. ज्ञानिनाम् |

26. सुरुचिः - उत्तमः :: सुनीतिः - । अत्र चतुर्थपदम् इदं भवति ।

- | | |
|------------|---------------|
| A. ध्रुवः | B. उत्तानपादः |
| C. नारायणः | D. नारदः |

27. एतौ अमरत्वं प्राप्तवन्तौ ।

- | | |
|---------------------|----------|
| A. पार्वतीपरमेश्वरौ | B. गावौ |
| C. श्वेतपारावतौ | D. वृषभौ |

28. पिता - अस्य समानार्थकं पदम् इदं भवति ।

- | | |
|----------|---------|
| A. जानकी | B. जनता |
| C. जननी | D. जनकः |

29. 'नमः' योगे - चतुर्थीविभक्तिः :: बिभेति योगे - । अत्र चतुर्थपदम् इदं भवति ।

- | | |
|---------------------|-------------------|
| A. द्वितीयाविभक्तिः | B. सप्तमीविभक्तिः |
| C. चतुर्थीविभक्तिः | D. पञ्चमीविभक्तिः |

30. अत्र समूहेतरपदम् इदं भवति ।

- | | |
|-------------|--------------|
| A. कश्चित् | B. बालस्तत्र |
| C. तपस्तेपे | D. मुनिरिति |

31. 'छात्रः + धावति' - अत्र सन्धिकार्यम् एवं भवति ।

- | | |
|-----------------|-----------------|
| A. छात्रो धावति | B. छात्र धावति |
| C. छात्रर्धावति | D. छात्रस्थावति |

32. 'मार्गान्तरम्' अत्र अयं समासः ।

- | | |
|--------------|--------------|
| A. तत्पुरुषः | B. कर्मधारयः |
| C. द्वन्द्वः | D. द्विगुः |

33. 'नीलकण्ठः' अस्य विग्रहवाक्यम् इदं भवति ।

- | | |
|-----------------------|-----------------------|
| A. नीलं कण्ठः | B. नीलेन कण्ठः |
| C. नीलः कण्ठः यस्य सः | D. नीलः कण्ठं यस्य सः |

34. अधो लिखितेषु वाक्येषु इदं वाक्यं शुद्धं भवति ।

- | | |
|-----------------------------|------------------------------|
| A. शङ्करस्य अभिषेकः रोचते । | B. शङ्कराय अभिषेकः रोचते । |
| C. शङ्करेण अभिषेकः रोचते । | D. शङ्करस्य अभिषेकाय रोचते । |

35. 'रामः लङ्कां गत्वा सीताम् आनीतवान्' - अत्र क्तवतु प्रत्ययान्तः शब्दः एषः भवति ।

- | | |
|-----------|-------------|
| A. सीताम् | B. रामः |
| C. गत्वा | D. आनीतवान् |

36. दधीचिना स्वदेहः इन्द्राय अर्पितः । अत्र रेखाङ्कितपदस्य प्रश्नपदम् इदं भवति ।

- | | |
|----------|----------|
| A. कस्मै | B. कस्यै |
| C. कुत्र | D. कदा |

37. 'ज्ञानामृतम् पीत्वा तुष्टः' इत्यत्र अयम् अलङ्कारः भवति।

- | | |
|----------------|-----------|
| A. श्लेषः | B. उपमा |
| C. सारालङ्कारः | D. रूपकम् |

38. मालिनीवृत्ते एते गणाः सन्ति।

- | | |
|------------|--------------|
| A. ज-त-ज-र | B. न-न-म-य-य |
| C. त-भ-ज-ज | D. त-त-ज |

39. 'बिद्यार्थिर्जीवन्मृतममूल्यमस्ति' – अत्र संस्कृतभाषया अनुवादः एषः भवति।

- | | |
|---|--|
| A. विद्यार्थिनः जीवनम् अमूल्यम् अस्ति। | B. विद्यार्थिनः जीवनम् अमूल्याय भवति। |
| C. विद्यार्थिनः जीवनस्य अमूल्यम् अस्ति। | D. विद्यार्थ्यस्य जीवनम् अमूल्यम् अस्ति। |

40. 'मानवाः पुण्यस्य फलम् इच्छन्ति।' – अत्र कन्नडभाषया आङ्ग्लभाषया वा अनुवादः एषः भवति।

- | |
|---|
| A. ಮನುಷ್ಯನಲ್ಲಿ ಪುಣ್ಯದ ಫಲವನ್ನು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತಾನೆ.
Desires the fruit of virtue in man. |
| B. ಮನುಷ್ಯನಲ್ಲಿ ಪುಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಫಲವನ್ನು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತಾನೆ.
In man desires fruit in virtue. |
| C. ಮನುಷ್ಯನು ಪುಣ್ಯದ ಫಲವನ್ನು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತಾನೆ.
Man desires the fruit of virtue. |
| D. ಮನುಷ್ಯನು ಪುಣ್ಯದಲ್ಲಿ ಫಲವನ್ನು ಇಚ್ಛಿಸುತ್ತಾನೆ.
Man desires the fruit in virtue. |

For Rough Work